विद्यालय नेतृत्व: सीखने का वातावरण

हिन्दी
जब हम वर्ग में जाते हैं, तो हमसे बच्चे शिक्षकों को लगता है, और बच्चे को भी लगता है, कि आज हमारे प्रधानाध्यापक, हमारे class में आकर, हमारा अनुसरण कर रहे हैं, निरीक्षण कर रहे हैं। बच्चे खुश हो जाते हैं, और शिक्षक भी खुश रहते हैं, कि जो हम class ले रहे हैं, उसमें प्रधानाध्यापक भी आ करके, मेरा देखरेख कर रहे हैं, सहानुभूति से। वर्ग आनंददायी थे, वर्गकक्ष आनंददायी थे। बच्चों के बीच जिज्ञासा था। शिक्षक और बच्चों के बीच माहौल सुंदर था। बच्चे खुशीपूर्वक सीख रहे थे। उनका अनुसरण कर रहे थे। एक बोलते थे और दूसरे बच्चे भी बोल रहे थे। जो बच्चों को नहीं आ रहा था, उस शब्द का ज्ञान, वह भी बच्चे, उसको सीख रहे थे। अच्छा तरह से अनुसरण कर रहे थे। मैं जबसे इसमें आई हूँ, तबसे मैं साफ-सफाई, बच्चों को सब समय विद्यालय आना, साफसुथरा करवाई हूँ। और विद्यालय में जितने भी मेरे वर्ग-शिक्षक हैं, वो सब समय मेरे सहयोग के लिए चले आते हैं, time पर। मैं जबसे इसमें आई हूँ, तबसे सब समय विद्यालय खुलना, बच्चों का सही समय पर विद्यालय में आना। सही समय पर जितना सत्र होना। साफ-सफाई करवाई हूँ। समय routine से मेरा विद्या-class चलता है। और बच्चे भी, सब शिक्षक भी, अपने समय पर अपने अपने वर्गकक्ष में चले जाते हैं। और हमारे सामने भी बाधाएँ आई हैं। पर मुझे अनुभव नहीं हुआ। मैं शिक्षकों के बीच और बच्चों के अभिभावकों के बीच, मैं इन सबको लेकर के, मैं इस कार्य को चला रही हूँ, सब की सहमति से।